छत्तीसगढ़ राज के परस्तावित युवा नीति

एक नजर (खाका)

राज के युवा संसाधन के होनहार परतिभा ल बढ़ोतरी के जरिया
अपना भरोसा चिन्हारी गढ़इया, मनखे मन के मान - मरजाद, सुग्घर
चाल-चलागन, अऊ रास्ट्र भक्ति ले सीखे चरित सिरजन के संग
सब्बो तरहा के सब्बो के विकास के रद्दा
पढ़े-लिखे,सीखे-समझे,रोजी-रोजगार,उदीम-बैपार,सेवा-सत्कार
अऊ छुछिन्दहा जीये के असल मउका पाय के मारफत
अपन अतराब के पुरखौती अऊ नवानेवरिया संसाधन,उनकर खोज
अऊ
अदगनवा तकनीक अऊ ओकर घातचे बेवहार ले
समाजिक,सांसकिरतिक, अऊ परयावरन के महत्तम कोति चेताय बार
राजनैतिक,परसासनिक,परबंधन अऊ बैपारिक चतुराई के
बढ़ोतरी के संगे-संग
धन-दोगानी के नियाव अऊ रास्ट्र रखवारी बर
संघराय अऊ परं करे युवा सकती के जरिया ले
परयावरन अऊ समाजिक जमा-जथा के बढ़ावा
अऊ
सामुदायिक जिम्मेदारी एकट्ठा संघराय परयास ले
जन-जन के जिनगी मं सफायी लाय के जरिया ले
राज के युवा मन के जागरित उजोग ले
समाज के सब्बो पंचन,ख़ास करके कमजोरहा मन के
जिनगी मं तरक्की के बुनियाद मां
आरूग,सुग्घर,भरे-पूरे,जी-जुड़ाऊल,मन-मढ़ाऊल
छत्तीसगढ़ राज बनाय के उजोग मं
सब्बो समभावना मन ला बढ़ावा दे हे बर हवाय
जेकर ले आघू-अघुवात छत्तीसगढ़ राज
रास्ट्र निर्माण मं जरूरी जोगभाग देहे सकाय